No. of Printed Pages : 4

BSKC–132

बी. ए. (सामान्य) संस्कृत

(बी.ए.जी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

बी.एस.के.सी.–132 : संस्कृत गद्य साहित्य

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड–क

1. अधोलिखित गद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2×20=40

(क) न हि तं पश्यामि यो ह्यपरिचितयानया न निर्भरमुपगूढः, यो वा न विप्रलब्धः। नियतमिय-मालेख्यगतापि चलति, पुस्तमय्यपीन्द्रजालमाचति, उत्कीर्णापि विप्रलभते, श्रतापि-अभिसन्धत्ते, चिन्तितापि वंचयति।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

अथवा

कामं भवान प्रकृत्यैव धीरः। पित्रा च महता प्रयत्नेन समारोपित-संस्कारः, तरलहृदयम् अप्रतिबुद्धं च मदयन्ति धनानि। तथापि भवद्गुण सन्तोषो मामेवं मुखरीकृतवान्। इदमेव च पुनः पुनरभिधीयसे। विद्वांसमपि सचेतनमपि महासत्त्वमपि अभिजातमपि धीरमपि प्रयत्नवन्तमपि पुरुषमियं दुर्विनीता खली-करोति लक्ष्मीरिति।

(ख) तस्मिन् पर्वते आसीदेको महान् कन्दरः। तस्मिन्नेव महामुनिरेकः समाधौ तिष्ठति स्म। कदा स समाधिमङ्गीकृतवानिति कोऽपि न वेत्ति। ग्रामणी-ग्रामीण-ग्रामाः समागत्य मध्ये मध्ये तं पूजयन्ति प्रणमन्ति स्तुवन्ति च। तं केचित् कपिल इति, अपरे लोमश इति, इतरे जैगीषत्य इति, अन्ये च मार्कण्डेय इति विश्वसन्ति स्म। स एवायमधुना शिखरादवतरन् ब्रह्मचारि-बटुभ्यामदर्शि।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

अथवा

महात्मन् ! क्वाधुना विक्रमराज्यम् ! वीरविक्रमस्य तु भारतभुवं विरहय्य गतस्य वर्षाणां सप्तदश-शतकानि व्यतीतानि। क्वाधुना मन्दिरे मन्दिरे जयजयध्वनिः ! क्व सम्प्रति तीर्थे घण्टानादः! क्वाद्यापि मठे मठे वेदघोषः ! अद्य हि वेदा विच्छिद्यवीथिषु विक्षिप्यन्ते, धर्मशास्त्राण्युद्धूय धूमध्वजेषु ध्मायन्ते, पुराणानि पिष्ट्वा पानीयेषु पात्यन्ते, भाष्याणि भ्रंशयित्वा भ्राष्ट्रेषु भर्ज्यन्ते।

खण्ड–ख

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश–निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग **700** शब्दों में लिखिए। 2×15=30

2. बाणभट्ट का जीवनवृत्त तथा उनके कर्तृत्व को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

शिवराजविजय के प्रथम निःश्वास का सार अपने शब्दों में लिखिए।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

3. गद्यकाव्य के स्वरूप को समझाइए।

अथवा

शिवराजविजय का परिचय प्रस्तुत कीजिए।

खण्ड–ग

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश–निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** के उत्तर लगभग **250** (प्रत्येक) शब्दों में लिखिए। 5×6=30

4. गद्यकाव्य के भेदों को बताइये।

5. 'दण्डिनः पदलालित्यम्' सूक्ति का वर्णन कीजिए।

6. पण्डिता क्षमाराव पर टिप्पणी लिखिए।

7. पंचतंत्र कथाओं से मिलने वाली शिक्षाओं को समझाइये।

8. 'शिवराजविजय' के आधार पर गौरसिंह का चरित्र-चित्रण कीजिए।

9. हृषीकेश भट्टाचार्य पर टिप्पणी लिखिए।

10. महाश्वेता का चरित्र-चित्रण कीजिए।

× × × × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com